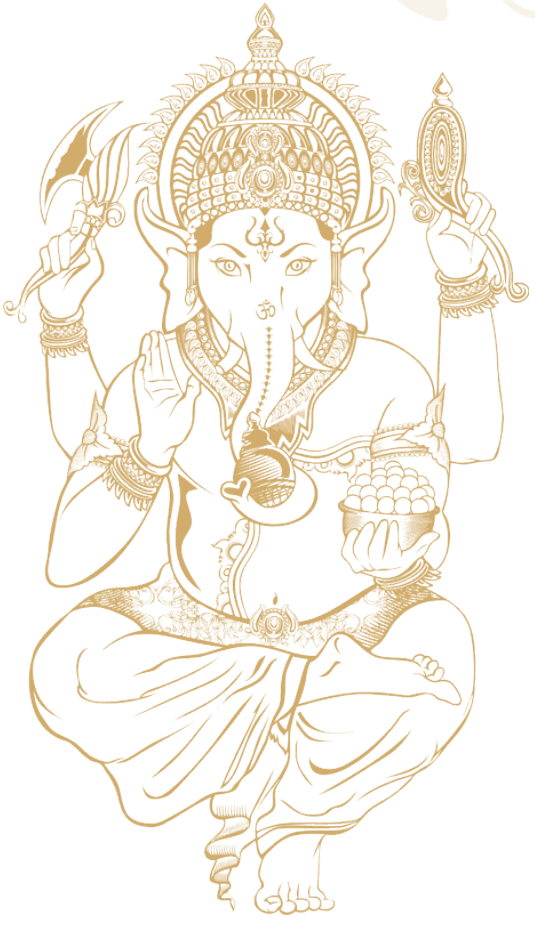

Shweta chand

20 May 2002

11:11 AM

Rajbiraj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121403006

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/05/2002**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:11:00 घंटे**
इष्ट	15:10:25 घटी
स्थान	**Rajbiraj**
देश	Nepal

अक्षांश	29:05:00 उत्तर
रेखांश	86:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	86:15:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:00:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:10:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:31 घंटे
साम्पातिक काल	03:01:05 घंटे
सूर्योदय	05:06:49 घंटे
सूर्यास्त	18:48:01 घंटे
दिनमान	13:41:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	05:09:01 वृष
लग्न के अंश	27:14:22 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेनका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:14:22	308:32:14	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			वृष	05:09:01	00:57:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	10:28:54	14:09:29	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			मिथु	00:39:22	00:39:46	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	वृष	15:21:08	00:19:25	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	20:23:44	00:11:17	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	05:42:50	01:11:58	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			वृष	21:57:43	00:07:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	24:05:09	00:00:36	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:05:09	00:00:36	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:52:21	00:00:40	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	17:05:01	00:00:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	22:51:46	00:01:31	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	23:50:39	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:07

लग्न-चलित

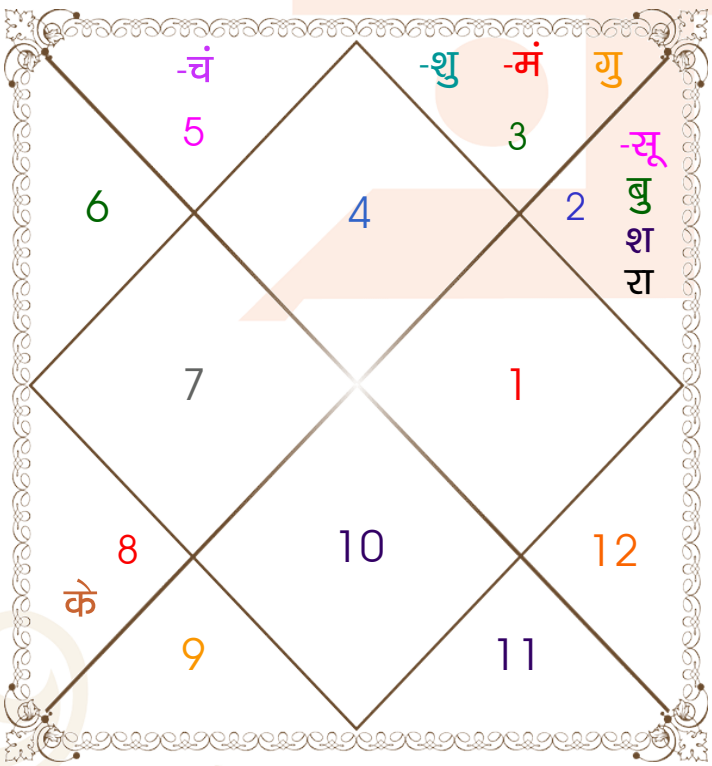

चन्द्र कुंडली

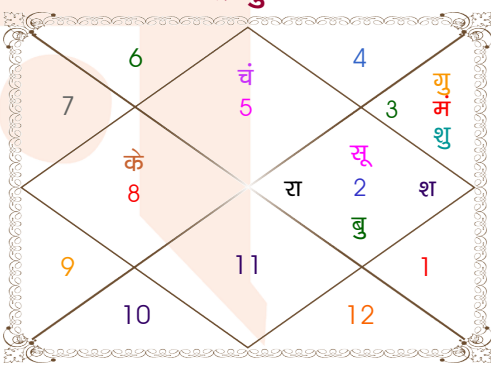

नवमांश कुंडली

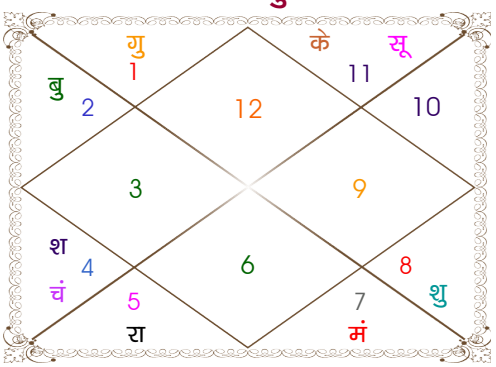

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 5 मास 29 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/05/2002		18/11/2003		18/11/2023		17/11/2029		18/11/2039	
18/11/2003		18/11/2023		17/11/2029		18/11/2039		18/11/2046	
	00/00/0000	शुक्र	19/03/2007	सूर्य	06/03/2024	चंद्र	18/09/2030	मंगल	15/04/2040
	00/00/0000	सूर्य	19/03/2008	चंद्र	05/09/2024	मंगल	19/04/2031	राहु	03/05/2041
	00/00/0000	चंद्र	17/11/2009	मंगल	11/01/2025	राहु	18/10/2032	गुरु	09/04/2042
	00/00/0000	मंगल	17/01/2011	राहु	06/12/2025	गुरु	17/02/2034	शनि	19/05/2043
	00/00/0000	राहु	17/01/2014	गुरु	24/09/2026	शनि	18/09/2035	बुध	15/05/2044
	00/00/0000	गुरु	17/09/2016	शनि	06/09/2027	बुध	16/02/2037	केतु	12/10/2044
	20/05/2002	शनि	18/11/2019	बुध	12/07/2028	केतु	17/09/2037	शुक्र	12/12/2045
शनि	21/11/2002	बुध	18/09/2022	केतु	17/11/2028	शुक्र	19/05/2039	सूर्य	18/04/2046
बुध	18/11/2003	केतु	18/11/2023	शुक्र	17/11/2029	सूर्य	18/11/2039	चंद्र	18/11/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/11/2046		17/11/2064		17/11/2080		18/11/2099		18/11/2116	
17/11/2064		17/11/2080		18/11/2099		18/11/2116		00/00/0000	
राहु	31/07/2049	गुरु	05/01/2067	शनि	21/11/2083	बुध	16/04/2102	केतु	16/04/2117
गुरु	24/12/2051	शनि	19/07/2069	बुध	31/07/2086	केतु	14/04/2103	शुक्र	16/06/2118
शनि	30/10/2054	बुध	24/10/2071	केतु	09/09/2087	शुक्र	12/02/2106	सूर्य	22/10/2118
बुध	19/05/2057	केतु	29/09/2072	शुक्र	08/11/2090	सूर्य	19/12/2106	चंद्र	23/05/2119
केतु	06/06/2058	शुक्र	31/05/2075	सूर्य	21/10/2091	चंद्र	19/05/2108	मंगल	19/10/2119
शुक्र	06/06/2061	सूर्य	19/03/2076	चंद्र	22/05/2093	मंगल	17/05/2109	राहु	06/11/2120
सूर्य	01/05/2062	चंद्र	19/07/2077	मंगल	01/07/2094	राहु	04/12/2111	गुरु	13/10/2121
चंद्र	31/10/2063	मंगल	24/06/2078	राहु	06/05/2097	गुरु	11/03/2114	शनि	21/05/2122
मंगल	17/11/2064	राहु	17/11/2080	गुरु	18/11/2099	शनि	18/11/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 5 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।